

भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी
श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज इकाई, गोण्डा
विषय— राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम – वार्ता एवं जाँच
31 जनवरी, 2025



सरकार के 100 दिवसीय क्षय उन्मूलन सघन अभियान के अन्तर्गत संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन बाबू ईश्वर शरण चिकित्सालय गोण्डा के डी0पी0सी0 डॉ0 विवेक शरण के संयोजन में दिनांक 31 जनवरी 2025 को श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा के ललिता शास्त्री सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में श्री संजय तिवारी— जिला समन्वयक टी0बी0, श्री प्रशान्त कुमार श्रीवास्तव— डी0एम0डी0ओ0, श्री विजय कान्त शुक्ला— सी0पी0एम0 तथा श्री आयुष शरण— एच0आई0वी0 टीम सहित अन्य लोगों ने विद्यार्थियों का संवेदीकरण किया। अतिथियों का स्वागत कॉलेज के रेड क्रॉस प्रभारी प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल एवं स्वयंसेवकों— एन0सी0सी0 के विशाल मिश्रा एवं निधि तिवारी, रोवर अमन तिवारी तथा रेड क्रॉस की गुलशन एवं अनुष्का विशेष ने किया।

विज्ञान संकाय परिसर में भी संवेदीकरण कार्यक्रम कॉलेज रेड क्रॉस इकाई के सदस्य श्री शिशिर त्रिपाठी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

श्री संजय त्रिपाठी, जिला समन्वयक, क्षय रोग ने प्रधानमंत्री टी0बी0 मुक्त भारत अभियान की जानकारी प्रदान की। क्षय रोग के लक्षण, जाँच एवं उपचार की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि क्षय रोग हवा में फैलता है तथा एक क्षय रोगी 15–20 लोगों को इस रोग को हस्तांतरित कर सकता है। सरकार का प्रयास सक्रिय रोग निर्धारण (ACB- Active Case Finding) पर है, ताकि पूरे भारत को क्षय रोग से मुक्त किया जा सके।

श्री प्रशान्त कुमार श्रीवास्तव ने क्षय रोग की उत्पत्ति एवं **चार मुख्य लक्षणों— कफ, बुखार, रात में पसीना आना तथा वजन में कमी होना** के विषय में बताया। डॉट्स सेण्टर के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलाज पूर्णतयः निशुल्क है। उन्होंने निक्षय पोषण योजना, निक्षय मित्र योजना की भी जानकारी प्रदान की।

श्री विजय कान्त शुक्ला ने एड्स के लक्षण, बचाव व उपचार की जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि क्षय रोग होने पर एच0आई0वी0 रोग होने की सम्भावना लगभग एक सौ प्रतिशत हो जाती है। अतः अत्यन्त सतर्क रहने की आवश्यकता है। अपने आस-पास यदि किसी भी व्यक्ति में इस रोग के लक्षण दिखते हों तो बाबू ईश्वर शरण चिकित्सालय गोण्डा में तुरन्त सम्पर्क करें। पूरी सहायता की जायेगी।

कॉलेज के रेड क्रॉस प्रभारी प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल ने स्वयंसेवकों को सतर्क रहने को कहा ताकि टी0बी0 की बीमारी मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट टी0बी0 में न बदल जाये। इसके लिए नियमित उपचार लेते रहना चाहिये।

प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार, प्राचार्य, श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा ने बताया कि सरकार का यह प्रयास अत्यन्त सराहनीय है और इससे एक और संक्रामक रोग को दूर करने में सहायता होगी। नैक समन्वयक प्रोफेसर जितेन्द्र सिंह ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि टी0बी0 रोग को दूर भगाने में और जन-जन तक इस संदेश को पहुँचाने में अधिकतम योगदान करें।

संवेदीकरण कार्यक्रम के उपरान्त कई लोगों ने बलगम जाँच के लिए नमूना भी प्रदान किया और कई लोगों ने कहा कि वे जिला अस्पताल में आकर जाँच करायेंगे तथा संभावित रोगियों को लेकर जिला अस्पताल आयेंगे।

इस आयोजन में एन0सी0सी0 के ए0एन0ओ0 डॉ0 अमित कुमार शुक्ला का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर अभय कुमार श्रीवास्तव ने दिया।

कार्यक्रम में कॉलेज के प्राध्यापकगण— प्रोफेसर आर0बी0एस0 बघेल, प्रोफेसर अभय कुमार श्रीवास्तव, प्रोफेसर वी0सी—एच0एन0के0 श्रीनिवासा राव, प्रोफेसर संदीप श्रीवास्तव, डॉ0 पुष्पमित्र मिश्र, डॉ0 वन्दना भारतीय, डॉ0 घनश्याम द्विवेदी, डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह, डॉ0 स्मिता सिंह, डॉ0 विनय पाण्डेय, डॉ0 पूजा यादव, डॉ0 श्रीकान्त, डॉ0 पुनीत, डॉ0 रवि ओझा, श्री आनन्द चतुर्वेदी, श्री विन्ध्य साहू, कुमारी मानसी पाण्डेय, श्री श्रवण कुमार एवं श्री करुणेश दूबे, कर्मचारीगण— श्री अभिमन्यु, श्री नन्द कुमार, श्री विजय सिंह श्री रोहित सिंह, श्री राकेश कुमार मिश्रा, श्री देवांश त्रिपाठी, श्री रमेश कुमार, श्री देवेन्द्र, श्री राम भरोस, श्री शिव कुमार, श्री रामरूप, श्री पंकज वर्मा सहित रेड क्रॉस, एन0सी0सी0, रोवर्स—रेंजर्स एवं एन0एस0एस0 के स्वयंसेवक एवं अन्य विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।





सरकार के 100 दिवसीय क्षय उन्मूलन सघन अभियान के अन्तर्गत संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन

गोम्डा। बाबू ईश्वर शरण चिकित्सालय गोम्डा के डी०बी०सी० डॉ० विवेक शरण के संयोजन में दिनांक 31 जनवरी 2025 को श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोम्डा के ललित शास्त्री सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में श्री संजय शिवारी- जिला समन्वयक टी०बी०, श्री प्रशान्त कुमार श्रीवास्तव- डी०एन०डी०बी०, श्री विजय कान्त शुक्ला- सी०पी०एच० तथा श्री आर्युष शरण- एच०आई०बी० टीम सहित अन्य लोगों ने विद्यार्थियों का संवेदीकरण किया। अतिथियों का स्वागत कॉलेज के रैड क्रॉस प्रभाती प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल एवं स्वयंसेवकों- एन०सी०बी० के विद्या मिश्रा एवं निधि शिवारी, रोबर अमन शिवारी तथा रैड क्रॉस की मुलखान एवं अनुष्का सिंह ने किया। श्री संजय शिवारी, जिला समन्वयक, क्षय रोग ने प्रधानमंत्री टी०बी० मुक्त भारत

अभियान की जानकारी प्रदान की। क्षय रोग के लक्षण, जीव एवं उपचार की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि क्षय रोग रक्त में फैलता है तथा एक क्षय रोगी 15-20 लोगों को इस रोग को हस्तांतरित कर सकता है। सरकार का प्रयास सक्रिय रोग निर्धारण (ताकि सम्पूर्ण भारत को क्षय रोग से मुक्त किया जा सके)। श्री प्रशान्त कुमार श्रीवास्तव ने क्षय रोग की उत्पत्ति एवं चार मुख्य लक्षणों- कफ, बुखार, रात में पसीना आना तथा वजन में कमी होने के विषय में बताया। डॉ०एस सेक्टर के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलाज पूर्णतः निःशुल्क है। उन्होंने निष्क्रिय पोषण योजना, निष्क्रिय मित्र योजना की भी जानकारी प्रदान की। श्री विजय कान्त शुक्ला ने एड्स के लक्षण, बचाव व उपचार की जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि क्षय रोग होने पर

एच०आई०बी० रोग होने की सम्भावना लगभग एक सौ प्रतिशत हो जाती है। अतः अत्यन्त सतर्क रहने की आवश्यकता है। अपने आस-पास ताकि टी०बी० की बीमारी माल्टी ड्रग रेसिस्टेंट टी०बी० में न बदल जाये। इसके लिए नियमित उपचार लेते रहना चाहिए। प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार, का आह्वान किया कि टी०बी० रोग को दूर भगाने में और जन-जन तक इस संदेश को पहुँचाने में अति महत्व योगदान करें। संवेदीकरण

कार्यक्रम के उपचार कई लोगों ने बलगम जीव के लिए नमूना भी प्रदान किया और कई लोगों ने कहा कि वे जिला अस्पताल में आकर जीव कटावें तथा संभावित रोगियों को लेकर जिला अस्पताल आएं। इस आयोजन में

एन०सी०बी० के ए०एन०डी० डॉ० अमित कुमार शुक्ला का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर अमय कुमार श्रीवास्तव ने दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रा. व्याकरण- प्रोफेसर आर०बी०एस० बघेल, प्रोफेसर अमय कुमार श्रीवास्तव, प्रोफेसर संदीप श्रीवास्तव, डॉ० पुष्पविजय मिश्र, डॉ० चन्द्रनाभ भारती, डॉ० चण्डिका द्विवेदी, डॉ० धर्मेन्द्र सिंह, डॉ० निमला सिंह, डॉ० विनय पाण्डेय, डॉ० पूजा यादव, डॉ० श्रीकान्त, डॉ० पुनीत, डॉ० रवि ओझा, विन्ध्य साहू, श्वेत कुमार एवं कल्पेश दुबे, कर्मचारीगण- श्री अभिषेक, श्री नन्दन कुमार- श्री विजय सिंह, श्री रोहित सिंह, श्री राकेश कुमार मिश्रा, श्री देवांशु शिवारी, श्री रमेश कुमार, श्री परमज वर्मा सहित रैड क्रॉस, एन०सी०बी०, रोवर-रेजर एवं एच०आई०बी० के स्वयंसेवक एवं अन्य विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।



यदि किसी भी व्यक्ति में इस रोग के लक्षण दिखते हों तो बाबू ईश्वर शरण चिकित्सालय गोम्डा में तुरन्त सम्पर्क करें। पूरी सहजता की जायेगी। कॉलेज के रैड क्रॉस प्रभाती प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल ने स्वयंसेवकों को सतर्क रहने को कहा

सरकार के 100 दिवसीय क्षय उन्मूलन सघन अभियान के अन्तर्गत संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन

विभूत संवाददाता
गोम्डा। सरकार के 100 दिवसीय क्षय उन्मूलन सघन अभियान के अन्तर्गत संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन बाबू ईश्वर शरण चिकित्सालय गोम्डा के डी०बी०सी० डॉ० विवेक शरण के संयोजन में दिनांक 31 जनवरी 2025 को श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोम्डा के ललित शास्त्री सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में श्री संजय शिवारी- जिला समन्वयक टी०बी०, श्री प्रशान्त कुमार श्रीवास्तव- डी०एन०डी०बी०, श्री विजय कान्त शुक्ला- सी०पी०एच० तथा श्री आर्युष शरण- एच०आई०बी० टीम सहित अन्य लोगों ने विद्यार्थियों का संवेदीकरण किया। अतिथियों का स्वागत कॉलेज के रैड क्रॉस प्रभाती प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल एवं स्वयंसेवकों- एच०आई०बी० के विद्या मिश्रा एवं निधि शिवारी, रोबर अमन शिवारी तथा रैड क्रॉस की मुलखान एवं अनुष्का सिंह ने किया। श्री संजय शिवारी, जिला समन्वयक, क्षय रोग ने प्रधानमंत्री टी०बी० मुक्त भारत

अभियान की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि क्षय रोग रक्त में फैलता है तथा एक क्षय रोगी 15-20 लोगों को इस रोग को हस्तांतरित कर सकता है। सरकार का प्रयास सक्रिय रोग निर्धारण (ताकि सम्पूर्ण भारत को क्षय रोग से मुक्त किया जा सके)। श्री प्रशान्त कुमार श्रीवास्तव ने क्षय रोग की उत्पत्ति एवं चार मुख्य लक्षणों- कफ, बुखार, रात में पसीना आना तथा वजन में कमी होने के विषय में बताया। डॉ०एस सेक्टर के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इलाज पूर्णतः निःशुल्क है। उन्होंने निष्क्रिय पोषण योजना, निष्क्रिय मित्र योजना की भी जानकारी प्रदान की। श्री विजय कान्त शुक्ला ने एड्स के लक्षण, बचाव व उपचार की जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि क्षय रोग होने पर

एच०आई०बी० रोग होने की सम्भावना लगभग एक सौ प्रतिशत हो जाती है। अतः अत्यन्त सतर्क रहने की आवश्यकता है। अपने आस-पास यदि किसी भी व्यक्ति में इस रोग के लक्षण दिखते हों तो बाबू ईश्वर शरण चिकित्सालय गोम्डा में तुरन्त सम्पर्क करें। पूरी सहजता की जायेगी। कॉलेज के रैड क्रॉस प्रभाती प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल ने स्वयंसेवकों को सतर्क रहने को कहा

कार्यक्रम के उपचार कई लोगों ने बलगम जीव के लिए नमूना भी प्रदान किया और कई लोगों ने कहा कि वे जिला अस्पताल में आकर जीव कटावें तथा संभावित रोगियों को लेकर जिला अस्पताल आएं। इस आयोजन में

एन०सी०बी० के ए०एन०डी० डॉ० अमित कुमार शुक्ला का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर अमय कुमार श्रीवास्तव ने दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रा. व्याकरण- प्रोफेसर आर०बी०एस० बघेल, प्रोफेसर अमय कुमार श्रीवास्तव, प्रोफेसर संदीप श्रीवास्तव, डॉ० पुष्पविजय मिश्र, डॉ० चन्द्रनाभ भारती, डॉ० चण्डिका द्विवेदी, डॉ० धर्मेन्द्र सिंह, डॉ० निमला सिंह, डॉ० विनय पाण्डेय, डॉ० पूजा यादव, डॉ० श्रीकान्त, डॉ० पुनीत, डॉ० रवि ओझा, विन्ध्य साहू, श्वेत कुमार एवं कल्पेश दुबे, कर्मचारीगण- श्री अभिषेक, श्री नन्दन कुमार- श्री विजय सिंह, श्री रोहित सिंह, श्री राकेश कुमार मिश्रा, श्री देवांशु शिवारी, श्री रमेश कुमार, श्री परमज वर्मा सहित रैड क्रॉस, एन०सी०बी०, रोवर-रेजर एवं एच०आई०बी० के स्वयंसेवक एवं अन्य विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।



यदि किसी भी व्यक्ति में इस रोग के लक्षण दिखते हों तो बाबू ईश्वर शरण चिकित्सालय गोम्डा में तुरन्त सम्पर्क करें। पूरी सहजता की जायेगी। कॉलेज के रैड क्रॉस प्रभाती प्रोफेसर राजीव कुमार अग्रवाल ने स्वयंसेवकों को सतर्क रहने को कहा ताकि टी०बी० की बीमारी माल्टी ड्रग रेसिस्टेंट टी०बी० में न बदल जाये। इसके लिए नियमित उपचार लेते रहना चाहिए। प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार, का आह्वान किया कि टी०बी० रोग को दूर भगाने में और जन-जन तक इस संदेश को पहुँचाने में अति महत्व योगदान करें। संवेदीकरण कार्यक्रम के उपचार कई लोगों ने बलगम जीव के लिए नमूना भी प्रदान किया और कई लोगों ने कहा कि वे जिला अस्पताल में आकर जीव कटावें तथा संभावित रोगियों को लेकर जिला अस्पताल आएं। इस आयोजन में ए०एन०डी० डॉ० अमित कुमार शुक्ला का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर अमय कुमार श्रीवास्तव ने दिया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्रा. व्याकरण- प्रोफेसर आर०बी०एस० बघेल, प्रोफेसर अमय कुमार श्रीवास्तव, प्रोफेसर संदीप श्रीवास्तव, डॉ० पुष्पविजय मिश्र, डॉ० चन्द्रनाभ भारती, डॉ० चण्डिका द्विवेदी, डॉ० धर्मेन्द्र सिंह, डॉ० निमला सिंह, डॉ० विनय पाण्डेय, डॉ० पूजा यादव, डॉ० श्रीकान्त, डॉ० पुनीत, डॉ० रवि ओझा, विन्ध्य साहू, श्वेत कुमार एवं कल्पेश दुबे, कर्मचारीगण- श्री अभिषेक, श्री नन्दन कुमार- श्री विजय सिंह, श्री रोहित सिंह, श्री राकेश कुमार मिश्रा, श्री देवांशु शिवारी, श्री रमेश कुमार, श्री परमज वर्मा सहित रैड क्रॉस, एन०सी०बी०, रोवर-रेजर एवं एच०आई०बी० के स्वयंसेवक एवं अन्य विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सरकार के 100 दिवसीय क्षय उन्मूलन सघन अभियान के अन्तर्गत संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन



गोंडा। बाबू ईश्वर शरण चिकित्सालय गोण्डा के डी०पी०सी० डॉ० विवेक शरण के संयोजन में दिनांक 31 जनवरी 2025 को श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज गोण्डा के ललिता शास्त्री सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में श्री संजय तिवारी- जिला समन्वयक टी०बी०, श्री प्रशान्त कुमार श्रीवास्तव- डी०एम०डी०ओ०, श्री विजय कान्त शुक्ला- सी०पी०एम० तथा श्री आयुष शरण- एच०आई०वी० टीम सहित अन्य लोगों ने विद्यार्थियों का संवेदीकरण किया। अतिथियों का स्वागत कॉलेज के रेड क्रॉस प्रभारी प्रोफेसर राजीव कुमार

अग्रवाल एवं स्वयंसेवकों- एन०सी०सी० के विशाल मिश्रा एवं निधि तिवारी, रोवर अमन तिवारी तथा रेड क्रॉस की गुलशन एवं अनुष्का विशेष ने किया।

संजय त्रिपाठी, जिला समन्वयक, क्षय रोग ने प्रधानमंत्री टी०बी० मुक्त भारत अभियान की जानकारी प्रदान की। क्षय रोग के लक्षण, जांच एवं उपचार की जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि क्षय रोग हवा में फैलता है तथा एक क्षय रोगी 15-20 लोगों को इस रोग को हस्तांतरित कर सकता है। सरकार का प्रयास सक्रिय रोग निर्धारण। ताकि सम्पूर्ण भारत को क्षय रोग से मुक्त किया जा सके।

जागरूकता से ही संभव है क्षय रोग से बचाव

गोंडा। लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के ललिता शास्त्री सभागार में शुक्रवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों को क्षय रोग से बचाव के बारे में जागरूक किया गया। जिला समन्वयक संजय त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान की जानकारी दी। प्रशांत श्रीवास्तव ने क्षय रोग के चार मुख्य लक्षणों- कफ, बुखार, रात में पसीना आना तथा वजन में कमी होना के विषय में बताया। विजय कान्त शुक्ला ने एड्स के लक्षण, बचाव व उपचार की जानकारी प्रदान की। प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार ने बताया कि जागरूकता से ही बचाव संभव है। नैक समन्वयक प्रो. जितेन्द्र सिंह ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि टीबी रोग को दूर भगाने के लिए जागरूकता आवश्यक है। (संवाद)

क्षय उन्मूलन के बारे में किया जागरूक

गोंडा। शहर में एलबीएस पीजी कॉलेज के ललिता सभागार में शुक्रवार को क्षय उन्मूलन अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला अस्पताल के डीपीसी डॉ. विवेक शरण के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में जिला समन्वयक संजय त्रिपाठी ने टीबी मुक्त भारत अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने क्षय रोग के लक्षण, जांच एवं उपचार की जानकारी प्रदान की।

28/1

R. V. Prasad
01.02.2025